2017–18 सत्र से प्रभावी

स्नातक(बी0ए0) संस्कृतसाहित्य (चतुर्थ सत्रार्द्ध/सेमेस्टर)

प्रथम प्रश्नपत्र – काव्य एवं संस्कृत साहित्य का इतिहास

पूर्णांक– 75 (55+20)

1–किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) 30 अंक

2–संस्कृत साहित्य का इतिहास – 25 अंक

(वाल्मीकि, व्यास, भास, कालिदास, माघ, भारवि, भवभूति, शूद्रक, बाणभट्ट, दण्डी)

सहायक पुस्तकें :–

1–किराताजुनीयम् (भारविकृत्)	–	जर्नादन शास्त्री पाण्डेय
2– किराताजुनीयम् (भारविकृत्)		श्री समीर शर्मा
3–संस्कृत साहित्य का इतिहास	–	कपिलदेव द्विवेदी
4–संस्कृत साहित्य का इतिहास	–	आचार्य बलदेव उपाध्याय
5–संस्कृत साहित्य का इतिहास	–	डॉ0 जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल

अंकविभाजन

1	किरातार्जुनीयम् से दो श्लोकों की व्याख्या	7.5+7.5 = 15 अंक
2	किरातार्जुनीयम् से सम्बन्धित एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	10 अंक
3	संस्कृत साहित्य के पाठ्यगत कवियों से सम्बद्ध एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	10 अंक
4	संस्कृत साहित्य के पाठ्यगत कवियों से सम्बद्ध दो टिप्पणी	10 अंक
5	वैकल्पिक प्रश्न (05 किरातार्जुनीय/ग्रन्थ एवं ग्रन्थकार से एवं 05 संस्कृत साहित्य के उपर्युक्त कवियों से)	10 अंक

❖ **20 अंक का आन्तरिक मूल्यांकन होगा।**

2017–18 सत्र से प्रभावी

स्नातक(बी0ए0) संस्कृतसाहित्य (चतुर्थसत्रार्द्ध/सेमेस्टर)

द्वितीय प्रश्न पत्र – गद्य साहित्य एवं निबन्ध

पूर्णांक– 75 (55+20)

1–दशकुमारचरितम् (पूर्वपीठिका) 35 अंक

2–सरल संस्कृत में निबन्ध लेखन (कम से कम 150 शब्दों में) 20 अंक

सहायक पुस्तकें :–

1–दशकुमारचरितम् (दण्डिकृत) पूर्व–पीठिका – विश्वनाथ झा

2–दशकुमारचरितम् (अर्थप्रकाशितोपेतम्) – विश्वनाथ झा

3–संस्कृत निबन्धशतकम् – डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी

4–निबन्ध चन्द्रिका – डॉ0 कृष्णदेव उपाध्याय

5–निबन्ध निबन्धांजलि – डॉ0 रामकृष्ण आचार्य

6–संस्कृत निबन्ध सुधा – डॉ0 राधेश्याम गंगवार

अंकविभाजन

1	दशकुमारचरितम् से दो व्याख्या	7.5+7.5 = 15 अंक
2	दशकुमारचरितम् /ग्रन्थकार से सम्बद्ध एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	10 अंक
3	संस्कृत के कवियों के विषय में लगभग 15 पंक्ति – लेखन (संस्कृत में)	10 अंक
4	सामान्य विषयों पर लगभग 15 पंक्ति – लेखन (संस्कृत में)	10 अंक
5	वैकल्पिक प्रश्न 10 दशकुमारचरितम्/ग्रन्थकार पर	10 अंक

❖ **20 अंक का आन्तरिक मूल्यांकन होगा।**